भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2546
जिसका उत्तर मंगलवार, 09 दिसम्बर, 2014 को दिया जाना है

भेल संयंत्र की स्थापना

2546. श्री टी. जी. वेंकटेश बाबू:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भेल का त्रिचि, तमिलनाडु और कर्नाटक में सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना करने का प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इनकी अनुमानित क्षमता कितनी है एवं इनकी स्थापना कब तक किए जाने की संभावना है;

(ग) क्या भेल का अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने का कोई प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और आगामी तीन वर्षों के दौरान क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं तथा इन्हें प्राप्त करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री जी. एम. सिद्देश्वर)

(क) और (ख): जी, हां। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (भेल) सौर फोटो-वोल्टिक (पीवी) माड्यूल्स का विनिर्माण करता है और ईपीसी आधार पर सौर पीवी परियोजनाओं की स्थापना करता है। बीएचईएल तमिलनाडु में नवेली लिग्नाइट कार्पोरेशन (एनएलसी) और कर्नाटक में कर्नाटक पॉवर कार्पोरेशन लिमिटेड (केपीसीएल) सहित अपने विभिन्न ग्राहकों के लिए सौर फोटो-वोल्टिक (पीवी) विद्युत संयंत्रों की स्थापना करने का कारोबार भी करता है। तमिलनाडु तथा कर्नाटक में वर्तमान में निष्पादनाधीन ऐसी सौर पीवी परियोजनाओं का ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

क्र.सं.	राज्य	परियोजना	क्षमता (मेगावाट)	प्रारंभण तारीख
1.	तमिलनाडु	नवेली में नवेली लिग्नाइट कार्पोरेशन (एनएलसी) का ग्रिड-इंटरएक्टिव सौर पीवी संयंत्र	10	2015-16 की प्रथम तिमाही
2.	कर्नाटक	मंड्या जिले में कर्नाटक पावर कार्पोरेशन लिमिटेड (केपीसीएल) का ग्रिड-इंटरएक्टिव सौर पीवी संयंत्र	10	2015-16 की प्रथम तिमाही

(ग): जी, हां।

(घ): बीएचईएल ने नेशनल क्लीन एनर्जी फंड (एनसीईएफ) के तहत 40% पूंजी सब्सिडी प्रदान करने के बारे में सरकार के अनुमोदन की शर्त के अध्यधीन महाराष्ट्र में चरणबद्ध तरीके से लगभग 500 मेगावाट प्रतिवर्ष एकीकृत सौर फोटो-वोल्टिक (पीवी) विनिर्माण सुविधा स्थापित करने की शुरुआत की है, जिसे तीन वर्ष में पूरा किया जाना है।

****